

asianpaints
सभी रंग विकसित दान में उपलब्ध
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

मेजबान छत्तीसगढ़ ने राजस्थान...

पन्ना 2 अंधे कल का सनसनीखेज खुलासा...

पन्ना 3

NIPPON PAINT
एशिया पैसिफिक का नंबर 1 पेंट*
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

नांदगांव टाइम्स

शुक्रवार, 27 मार्च 2026, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

पन्ना 50, अंक 162, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रूपए

खेल प्रतिभाओं को नया आसमान देने सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री साय

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक - केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया



रायपुर। छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण को साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के सहर्ष कोलेश पार्क में देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के उद्घाटन कार्यक्रम हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस महान् आयोजन को औपचारिक घोषणा करते हुए स्वागत किया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल आयोजन को प्रवर्धन करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस मौकामे मुख्यमंत्री साय ने केन्द्रीय युवा मामलों एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और खेल मांडविया 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर के साय-साय स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 30 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9 खेल विधाओं में अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कार्यक्रम में डॉ. साय ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और ओलंपिक पदक विजेता सुश्री साहोबा मोराबंदे चानू को गौरवमयी उपस्थिति में आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि प्रभु श्रीराम के निहाल में देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में 4 लाख तथा सांगरु ओलंपिक में साढ़े तीन लाख लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय समाज में खेलों के प्रति गहरी रूचि है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आर्यमर्षिभक्त नरसी भी च्युआबाबू (नई राह) के माध्यम से मुख्यभार में लौटकर इस आयोजन में सहभागिता बने-जो परिवर्तन और विश्वास का प्रतीक है।

देशभर से 9 खेल विधाओं में 30 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के लगभग 2500 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

इंडिया के तहत बज्रिडॉजियल अकादमियां संचालित हैं, जबकि रायपुर, रायगढ़ और रायचूर में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में चर्चित खिलाड़ियों को 21 लाख रूपए, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रूपए की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में स्मित देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण जनजातीय नरक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर का स्थापना करने हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का निहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान जैसे नरकों का पुत्रि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गैंग सिंह और गुणधर जैसे नरकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके समाज में न्यूजियन बनाया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से इस न्यूजियन का अवलोकन करने का आग्रह भी किया। केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है और अपने सारे वर्गों में भी यह सुंखला जारी होगी। उन्होंने कहा कि केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि एक संतुलित जीवन शैली का नामकरण जनजातीय नरक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर का स्थापना करने हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का निहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान जैसे नरकों का पुत्रि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गैंग सिंह और गुणधर जैसे नरकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके समाज में न्यूजियन बनाया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से इस न्यूजियन का अवलोकन करने का आग्रह भी किया। केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है और अपने सारे वर्गों में भी यह सुंखला जारी होगी। उन्होंने कहा कि केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि एक संतुलित जीवन शैली



विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रूपए की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में स्मित देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण जनजातीय नरक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर का स्थापना करने हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का निहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान जैसे नरकों का पुत्रि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गैंग सिंह और गुणधर जैसे नरकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके समाज में न्यूजियन बनाया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से इस न्यूजियन का अवलोकन करने का आग्रह भी किया। केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है और अपने सारे वर्गों में भी यह सुंखला जारी होगी। उन्होंने कहा कि केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि एक संतुलित जीवन शैली

ग्राम ईरा में श्री शिव महापुराण कथा में शिव-पार्वती विवाह का भावपूर्ण वर्णन, बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। चैत्र नवरात्रि एवं हिंदू नववर्ष के पवन अक्सर पर जिले के ग्राम ईरा (सोमनी) के बाजार चौक में 26 मार्च से 26 मार्च 2026 तक सौम्य श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। बुधवार 25 मार्च को कथा के दौरान भगवान शिव एवं माता पार्वती के दिव्य विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रतिद्वंद्वी वर्णन किया गया।



आयोजन नहीं, बल्कि शक्ति और शिव के पवन मिलन का प्रतीक है। उन्होंने माता सती के त्याग, पार्वती के रूप में पुनर्जन्म तथा भगवान शिव की पति रूप में प्राप्त करने के लिए की गई कठोर तपस्या का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। कथा के दौरान सौम्य भक्तों और श्रद्धालुओं ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिससे ब्रह्मांडी भावविभोर हो उठा। परंपरानुसार के रूप में पौढ विवाह शुक्रा द्वारा विधिवत पाठ किया जा रहा है। कथा में सती चरित्र का भी बख्तर से वर्णन किया गया, जिससे सुनकर ब्रह्मा महान ब्रह्म में डूब गए। आयोजन समिति के अनुसार 20 मार्च को प्रातः 9 बजे भवन कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ हुआ था। अंतिम दिवस 26 मार्च गुरुवार को कार्तिकेय जन्म, गणेश जन्म, शंख एवं चूर्ण कथा, ज्योतिर्लिंग कथा, पार्विण शिवलिंग

मोहला में हुई मारपीट, इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने किया चक्काजाम

बीते दिनों मोहला बस स्टैंड में हुई थी घटना

अभ्रमान खान अमरावट चौकी (नांदगांव टाइम्स)। बीते कुछ दिनों पहले मोहला बस स्टैंड में हुए मारपीट के एक मामले में मौत के बाद गुरुवार को उग्र रूप ले लिया, जब घायल बस युद्धरत को उपचार के दौरान मौत हो जाने से आक्रोशित परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर स्टैंड हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। मिली जानकारी के अनुसार, पांच दिन पहले रात के समय मोहला बस स्टैंड में बस ड्राइवर कमलेश भुआर्य का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने ड्राइवर को बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल कमलेश को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से इलाज नाजुक होने पर उसे राजनांदगांव रेफर किया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, जिसकी खबर मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। त्याग की मांग को लेकर परिजनों ने शव को सड़क पर



रखकर स्टैंड हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। जाम लगाना 1 घंटा था, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस की समझौदा के बाद मानवला हुआ शव मौत के बाद परिजनों ने शव को सड़क में रखकर जाम किया, परिजनों ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने समझौदा देकर स्थिति को नियंत्रित किया अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजनों ने चक्काजाम समाप्त किया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। इलाज के दौरान मौत, गंभीर स्थिति में था कमलेश कमलेश की हालत गंभीर होने पर उसे राजनांदगांव के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अंदरूनी घोट इतनी गंभीर थी, पांच दिन तक मौत से जुड़ने के बाद बुधवार रात उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों और गांव में आक्रोश फैल गया। आरोपियों तक पहुंची पुलिस पत्रकारों के चारों तरफ पुलिस को जैसे ही युवक की मौत की जानकारी मिली, घटना से जुड़े आरोपों की रिकार्ड में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

विष्णु लोधी ने नवरात्रि पर अपने निवास में नव कन्या पूजन एवं कन्या भोज कराया



डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। नवरात्रि के पवन अक्सर पर छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता ने विष्णु लोधी द्वारा अपने निवास में नव दुर्गा के नौ स्वस्वर्णों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान ब्रह्मा एवं पंचि भाव के साथ नव कन्याओं का पूजन कर उन्हें सस्यमान कन्या भोज कराया गया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया

पर लगातार कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया जाता रहा है, जो उनकी आस्था, संस्कार और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर विष्णु लोधी ने कहा कि मां दुर्गा के पावन स्वरूप में सेवा, समर्पण, शक्ति और करुणा का संदेश देते हैं। यह वह भारतीय संस्कृति और परंपराओं को महानता को दर्शाता है तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। कार्यक्रम में परिवारजनों की उपस्थिति रही, जिन्होंने भी पूजा-अर्चना में भाग लेकर क्षेत्र को सुख-समृद्धि की कामना की।

बिलासपुर में बर्ड फ्लू का कोहराम

22 हजार से अधिक पक्षी और 25 हजार अंडे नष्ट, 10 किमी का दायरा सील



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू (एविएन इन्फ्लूएंजा) की पुष्टि के बाद हड़कंप मच गया है। कोनी स्थित सरकारी कुकूट पालन केंद्र में हजारों मुर्तियों की चिकन और अंडों को हकी, परिहार और प्रदर्शन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही अगले 21 दिनों तक लोगों को सवधानी बरतने को सलाह दी गई है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग को टीमों में बांट कराने वाले कर्मचारियों और उनके परिवारों को सनल स्कैनिंग कर रही है। हालांकि, अभी तक किसी इंसान में संक्रमण के लक्षण नहीं मिले हैं। प्रशासन की अर्पणा - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी पक्षियों को असामान्य मौत दिखे, तो तुरंत कुकूट कर्म के पर 07752-251000 पर सूचना दी जाये। संक्रमण पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करें। वहीं सूक्षा के निहाय से प्रशासन ने रायगढ़ और बिलासपुर के जिलों में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया है ताकि संक्रमण अन्य क्षेत्रों में न फैले।

किलोमीटर के दायरे को 'इन्फेक्टेड जोन' और 10 किलोमीटर के दायरे को 'नॉन-इन्फेक्टेड जोन' घोषित किया है। वहीं प्रभावित क्षेत्र के 10 किमी के भीतर सरकारी कुकूट पालन केंद्र में हजारों मुर्तियों की चिकन और अंडों को हकी, परिहार और प्रदर्शन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही अगले 21 दिनों तक लोगों को सवधानी बरतने को सलाह दी गई है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग को टीमों में बांट कराने वाले कर्मचारियों और उनके परिवारों को सनल स्कैनिंग कर रही है। हालांकि, अभी तक किसी इंसान में संक्रमण के लक्षण नहीं मिले हैं। प्रशासन की अर्पणा - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी पक्षियों को असामान्य मौत दिखे, तो तुरंत कुकूट कर्म के पर 07752-251000 पर सूचना दी जाये। संक्रमण पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करें। वहीं सूक्षा के निहाय से प्रशासन ने रायगढ़ और बिलासपुर के जिलों में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया है ताकि संक्रमण अन्य क्षेत्रों में न फैले।

